पाठ - ऐसी भी बातें होती हैं (लता मंगेशकर से साक्षात्कार)

कार्यपत्रिका - 01

समय: 40 मिनट **पूर्णांक:** 25

Section A: वस्तुनिष्ठ प्रश्न (MCQs & Assertion-Reason)

प्रश्न १. ए.जी. गार्डिनर के 'हैट और खूँटी' सिद्धांत तथा लता जी के सफेद साड़ी पहनने के स्वभाव में क्या वैचारिक समानता दिखती है?

(क) दोनों ही कला में बाहरी दिखावे और तड़क-भड़क के बजाय आंतरिक शुद्धता और सादगी को सर्वोपरि मानते हैं।

(ख) दोनों ही रंगों के त्योहार होली का पूर्ण रूप से विरोध करते हैं।

(ग) दोनों का मानना है कि बिना आधुनिक एडवांस तकनीक के संगीत रचना असंभव है।

(घ) दोनों ही केवल शास्त्रीय संगीत को ही श्रेष्ठ मानते हैं।

प्रश्न २. 'मंगलागौर' उत्सव के संदर्भ में कौन-सा कथन पाठ के आधार पर शत-प्रतिशत सही है?

(क) यह पुरुषों द्वारा गाया जाने वाला एक वीर रस का फाग गीत है।

(ख) यह विवाह के बाद नई बहू के स्वागत में स्त्रियों द्वारा ठेठ गँवई अंदाज़ में मनाया जाने वाला लोक-उत्सव है।

(ग) यह केवल गुजरात और राजस्थान में नवरात्रि के समय मनाया जाता है।

(घ) इसके अंतर्गत केवल अमीर खुसरो की पहेलियाँ गाई जाती हैं।

प्रश्न ३. कथन-कारण प्रश्न (Assertion-Reason):

कथन (A): पचास के दशक में 'आएगा आने वाला' जैसे अमर गीतों की रिकॉर्डिंग तकनीकी रूप से एक अत्यंत कठिन चुनौती थी।

कारण (R): उस समय सिनेमा में आधुनिक एडवांस तकनीक विकसित नहीं थी, और स्वर का उतार-चढ़ाव कैद करने के लिए गायिका को हॉल में बहुत दूर से दबे पाँव चलकर माइक तक आना पड़ता था।

(क) कथन A सही है, परंतु कारण R गलत है।

(ख) कथन A गलत है, परंतु कारण R सही है।

(ग) कथन A और कारण R दोनों सही हैं तथा कारण R, कथन A की सही व्याख्या करता है.

(घ) कथन A और कारण R दोनों सही हैं, परंतु कारण R, कथन A की सही व्याख्या नहीं करता है।

प्रश्न ४. अर्थ के आधार पर वाक्यों का उनके सही भेदों के साथ मिलान (Match the Following) कीजिए:

स्तंभ 'क' (पाठ के वाक्य)	स्तंभ 'ख' (वाक्य का सही भेद)
(१) मेरा गाना अमर है, पर शरीर तो अमर नहीं।	(अ) इच्छावाचक वाक्य
(२) इतने सबेरे क्या मुसीबत आन पड़ी?	(ब) आज्ञावाचक वाक्य
(३) अपनी कृपा की छाया हर एक कलाकार पर रखना।	(स) विधानवाचक वाक्य
(४) अगर कोई बात तुम्हें सही लगती है, तो उसे करो।	(द) प्रश्नवाचक वाक्य

Section B: अतिलघु उत्तरीय प्रश्न (1 अंक)

प्रश्न ५. लता जी के अनुसार उनके पिता पंडित दीनानाथ ने मराठी रंगमंच पर पहली बार किन दो प्रांतों के संगीत का समावेश किया था?

उत्तर - .....

.....

egyanarchive

.....

प्रश्न ६. 'हाथ पसारना' मुहावरे का पाठ के संदर्भ में क्या अर्थ है?

उत्तर - .....

.....

.....

Section C: लघु उत्तरीय प्रश्न (2 अंक)

प्रश्न ७. उस्ताद अली अकबर खाँ ने "जब बहुत सुर में तार लगता है, तो टूट जाता है" कहकर संगीत के किस चरम सत्य की ओर संकेत किया था?

उत्तर - .....

.....

.....

.....

प्रश्न ८. बचपन में कुमार गंधर्व को गाते देखकर नन्हीं लता के मन में कौन-सी अनूठी हसरत जागी थी?

उत्तर - .....

.....

.....

.....

Section D: दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (4 अंक)

प्रश्न ९. "स्वतंत्रता और स्वाभिमान ही कलाकार की वास्तविक पूंजी है।" 'ऐसी भी बातें होती हैं' साक्षात्कार के आधार पर सिद्ध कीजिए कि लता जी ने सफलता के शिखर पर पहुँचकर भी अपने स्वाभिमानी जीवन-मूल्यों से कभी समझौता नहीं किया.

उत्तर - .....

.....

.....

.....

.....

Section E: रचनात्मक/मूल्य आधारित प्रश्न (HOTS - 5 अंक)

प्रश्न १०. आज के व्यावसायिक संगीत बाज़ार में जहाँ केवल रील्स और फूहड़ शब्दों की धूम है, लता जी के सादगी और साधना से भरे जीवन से सीख लेते हुए भारतीय सुगम संगीत की गरिमा को वापस लाने हेतु एक ५ सूत्रीय कार्य-योजना (Action Plan) तैयार कीजिए।

उत्तर - .....

.....

.....

.....

.....

egyanarchive

उत्तरकुंजी (कार्यपत्रिका - 1)

1. **उत्तर:** (क) दोनों ही कला में बाहरी दिखावे और तड़क-भड़क के बजाय आंतरिक शुद्धता और सादगी को सर्वोपरि मानते हैं।
2. **उत्तर:** (ख) यह विवाह के बाद नई बहू के स्वागत में स्त्रियों द्वारा ठेठ गँवई अंदाज़ में मनाया जाने वाला लोक-उत्सव है।
3. **उत्तर:** (ग) कथन A और कारण R दोनों सही हैं तथा कारण R, कथन A की सही व्याख्या करता है।
4. **उत्तर मिलान:** (१) -> (स), (२) -> (द), (३) -> (अ), (४) -> (ब)।
5. **उत्तर:** उन्होंने मराठी रंगमंच पर पहली बार **कर्नाटक** और **पंजाब** के संगीत का अनूठा समावेश किया था।
6. **उत्तर:** इसका अर्थ है—अपनी विवशता के कारण किसी के आगे झुकना, गिड़गिड़ाना या याचना करना (भीख माँगना)।
7. **उत्तर:** उन्होंने स्पष्ट किया कि संगीत की सीमा अनंत है। जब कोई साधक पूरी तरह लीन होकर अत्यधिक शुद्ध और पवित्र भाव से सुर लगाता है, तो उसका आघात इतना तीव्र और आध्यात्मिक होता है कि भौतिक वाद्ययंत्र का तार भी उस स्वर की शक्ति को सह नहीं पाता और टूट जाता है।
8. **उत्तर:** कुमार गंधर्व को काली शेरवानी पहनकर और अपने ढेर सारे मेडल लगाकर गाते देख लता जी अत्यधिक प्रभावित हुई थीं। उनके मन में भी यह हसरत जागी कि जब वे बड़ी हो जाएँगी, तो उन्हें भी ऐसे ही अनगिनत मेडल मिलेंगे जिन्हें लगाकर वे कार्यक्रमों में जाएँगी।
9. **उत्तर:** लता जी के जीवन में उनके पिता का यह संस्कार कूट-कूट कर भरा था कि सही बात पर अडिग रहो और किसी के आगे मत झुको। पिता के देहांत के बाद घोर आर्थिक तंगी के दिनों में भी उन्होंने स्वाभिमान बनाए रखा और किसी से मदद की भीख नहीं माँगी। फिल्मों की चकाचौंध के बीच रहते हुए भी उन्होंने कभी फूहड़ अभिनय या कृत्रिमता स्वीकार नहीं की। सफलता के शिखर पर पहुँचकर, प्रचुर धन और कीर्ति होने के बावजूद वे एक छोटे से सादे घर में अपनी सच्ची अनुभूतियों के साथ खुश रहीं, जो उनके महान स्वाभिमान को सिद्ध करता है।
10. **उत्तर (५ सूत्रीय कार्य-योजना):**
    - **१। शास्त्रीय आधार:** सुगम संगीत के निर्माण में कम से कम एक भारतीय शास्त्रीय राग का समावेश अनिवार्य किया जाए।
    - **२। शब्द शुचिता:** गीतों में फूहड़ शब्दों के स्थान पर महाकवियों की साहित्यिक, देशभक्ति और नैतिक मूल्यों वाली कविताओं को प्राथमिकता दी जाए।
    - **३। कृत्रिमता पर रोक:** एआई (AI) और ऑटो-ट्यून जैसी कृत्रिम तकनीकों के अत्यधिक प्रयोग को सीमित करके गायकों के वास्तविक और प्राकृतिक गायन (सच्ची अनुभूति) को बढ़ावा दिया जाए।
    - **४। लोक-उत्सवों का पुनरुद्धार:** विद्यालयों में 'मंगलागौर' या क्षेत्रीय लोकगीतों की प्रतियोगिताओं का आयोजन करके बच्चों को अपनी जड़ों से जोड़ा जाए।
    - **५। सहयोगियों का आदर:** संगीत निर्माण में मुख्य गायक के साथ-साथ पृष्ठभूमि के कोरस गायकों और वादकों को भी पूरा आर्थिक और सामाजिक सम्मान दिया जाए।

egyanarchive

पाठ - ऐसी भी बातें होती हैं (लता मंगेशकर से साक्षात्कार)

कार्यपत्रिका - 02

समय: 40 मिनट **पूर्णांक:** 25

Section A: अपठित गद्यांश एवं भाषा-बोध (Comprehension & Grammar)

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए प्रश्नों के सटीक उत्तर लिखिए:

"कला और संगीत मानव आत्मा की वह मूक भाषा है जो भौगोलिक सीमाओं को लाँघकर संपूर्ण विश्व को एक सूत्र में पिरोती है। भारत रत्न लता मंगेशकर का संगीत इसी सार्वभौमिक सत्य का साक्षात् प्रमाण है। उनका पार्श्वगायन केवल मनोरंजन का साधन नहीं, बल्कि एक कठिन और अनवरत साधना थी, जिसने भारतीय सुगम संगीत को एक शास्त्रीय गरिमा प्रदान की। आधुनिक युग में जहाँ तकनीक ने संगीत निर्माण को अत्यंत सुगम और एडवांस बना दिया है, वहीं पुराने दौर के कलाकारों की वह सादगी, गहराई और 'सच्ची अनुभूति' आज के डिजिटल कोलाहल में लुप्त होती जा रही है। वास्तविक कला वही है जो शरीर के नश्वर होने के बाद भी 'नाम रह जाता है' की कहावत को चरितार्थ करते हुए युगों-युगों तक जीवित रहे।"

प्रश्न १. गद्यांश के अनुसार, आज के 'डिजिटल कोलाहल' के दौर में पुराने कलाकारों का कौन-सा गुण लुप्त होता जा रहा है?

(क) संगीत का अत्यधिक व्यावसायिक प्रचार।

(ख) नए-नए वाद्ययंत्रों और स्टूडियो के चक्कर काटना।

(ग) पुराने दौर के संगीतकारों की वह सादगी, गहराई और 'सच्ची अनुभूति'।

(घ) एआई तकनीक द्वारा आवाज़ बदलकर धोखाधड़ी करना।

प्रश्न २. 'स्वाभिमान' और 'अस्पष्टता' शब्दों में क्रमशः कौन-से उपसर्ग प्रयुक्त हुए हैं?

(क) स्व और अ

(ख) सु और अप

(ग) स्वा और अस

(घ) स्वयं और ता

प्रश्न ३. "लता, तुम हम सबको मिठाई बाँट रही हो, लेकिन हम सारे संगीतकारों को मिलकर तुम्हें मिठाई खिलानी चाहिए।" यह कथन पाठ के आधार पर किसने और किस अवसर पर कहा था?

(क) अनिल विश्वास ने दीवाली की भोर में।

(ख) नौशाद साहब ने दीवाली के पावन अवसर पर सुबह साढ़े पाँच बजे।

(ग) पंडित कुमार गंधर्व ने मेडल पहनने के कार्यक्रम में।

(घ) उस्ताद अली अकबर खाँ ने सरोद का तार टूटने पर।

Section B: अतिलघु उत्तरीय प्रश्न (VSAQ - 1 अंक)

प्रश्न ४. "गाव गेला वाहुन, नाव गेला राहुन"—यह विशिष्ट कहावत मूलतः किस भारतीय भाषा की है और इसका हिंदी में क्या अर्थ है?

उत्तर - .....

.....

.....

प्रश्न ५. पाठ में आए मूल शब्द 'साहित्य' में 'इक' प्रत्यय जोड़ने पर कौन-सा नया व्याकरणिक शब्द निर्मित होगा?

उत्तर - .....

.....

.....

egyanarchive

Section C: लघु उत्तरीय प्रश्न (2 अंक)

प्रश्न ६. महाराष्ट्र के संदर्भ में 'गुड़ि पड़वा' त्योहार का क्या सांस्कृतिक महत्व है और इसके पीछे क्या पौराणिक मान्यता प्रचलित है?

उत्तर - .....

.....

.....

.....

प्रश्न ७. रिकॉर्डिंग स्टूडियो में कुर्सियाँ न होने पर भी लता जी का कोरस की लड़कियों के साथ ज़मीन पर बैठकर बातें करना उनके व्यक्तित्व के किस महान गुण को प्रदर्शित करता है और क्यों?

उत्तर - .....

.....

.....

.....

Section D: दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (4 अंक)

प्रश्न ८. "तकनीकी रूप से विकसित आज के युग की तुलना में पचास के दशक में पार्श्वगायन (Playback Singing) अत्यधिक कठिन और श्रमसाध्य था।" पाठ में आए 'आएगा आने वाला' गीत की रिकॉर्डिंग के प्रसंग के आधार पर इस कथन की विस्तृत तार्किक समीक्षा कीजिए.

उत्तर - .....

.....

.....

.....

.....

.....

Section E: रचनात्मक/मूल्य आधारित प्रश्न (HOTS - 5 अंक)

प्रश्न ९. "वे बस हमको गंभीरता से देखते थे... मगर हम सभी समझ जाते थे कि हमको बुलाया किसलिए गया है"। आज के आधुनिक परिवारों में जहाँ बच्चों को सुधारने के लिए अत्यधिक डाँट-फटकार या माता-पिता के पास समय का सर्वथा अभाव दिखता है, लता जी के पिता द्वारा अपनाए गए इस 'मूक और अनुशासित स्नेह' के संतुलन की प्रासंगिकता पर अपने मौलिक विचार व्यक्त कीजिए.

उत्तर - .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

egyanarchive

उत्तरकुंजी (कार्यपत्रिका - 02)

1. **उत्तर:** (ग) पुराने दौर के संगीतकारों की वह सादगी, गहराई और 'सच्ची अनुभूति'।
2. **उत्तर:** (क) 'स्व' (स्व + अभिमान = स्वाभिमान) और 'अ' (अ + स्पष्ट + ता)।
3. **उत्तर:** (ख) नौशाद साहब ने दीवाली के पावन अवसर पर सुबह साढ़े पाँच बजे।
4. **उत्तर:** यह कहावत मूलतः **मराठी भाषा** की है। इसका हिंदी अर्थ है—"गाँव तो (बाढ़ में) बह जाता है, लेकिन जो नाम (व्यक्ति के सत्कर्म) है, वह हमेशा के लिए रह जाता है।"
5. **उत्तर:** साहित्य + इक = **साहित्यिक**।
6. **उत्तर:** महाराष्ट्र में 'गुड़ि पड़वा' नववर्ष के आगमन का सबसे महत्वपूर्ण त्योहार है। इसके पीछे यह पौराणिक मान्यता है कि भगवान श्रीराम चौदह वर्ष का वनवास पूरा करके जब रावण वध कर अयोध्या लौटे थे, तब हर घर में उनके स्वागत में बताशों की माला सजाकर 'गुड़ि' (ध्वज) बाँधी गई थी।
7. **उत्तर:** यह घटना लता जी की अत्यधिक **सादगी, निरहंकारिता, सरलता और आत्मीयता** को प्रदर्शित करती है। सफलता के सर्वोच्च शिखर पर होने के बावजूद उनके मन में कोई घमंड नहीं था; वे अपनी पृष्ठभूमि के सह-कलाकारों को अपने समान आदर देती थीं और उनके साथ ज़मीन पर बैठकर पारिवारिक जुड़ाव महसूस करती थीं।
8. **उत्तर:** पचास के दशक में आज की तरह एडवांस डिजिटल रिकॉर्डिंग, ऑटो-ट्यून या ट्रैक रिकॉर्डिंग की सुविधाएँ उपलब्ध नहीं थीं। उस समय पुरुष और स्त्री कोरस तथा मुख्य गायक को लाइव ऑर्केस्ट्रा के साथ एक ही समय पर गाना पड़ता था। 'आएगा आने वाला' गीत में गूंज (Echo effect) का प्राकृतिक प्रभाव देने के लिए लता जी को हॉल में बहुत दूर से दबे पाँव चलकर माइक तक आना पड़ता था और उसी अनुपात में माइक पर स्वर का उतार-चढ़ाव कैद होता था। एक भी वादक या गायक की छोटी सी गलती होने पर पूरा गाना दोबारा रिकॉर्ड करना पड़ता था, जो आज की तुलना में अत्यधिक श्रमसाध्य और मानसिक परीक्षा जैसा था।
9. **उत्तर (HOTS - मूल्य आधारित विश्लेषण):** आज के एकल परिवारों में माता-पिता अक्सर बच्चों की गलतियों पर अत्यधिक चिल्लाते हैं या उन पर हाथ उठाते हैं, जिससे बच्चे ढीठ या विद्रोही हो जाते हैं। इसके विपरीत, पंडित दीनानाथ जी का 'मूक अनुशासन' सम्मान और आत्म-बोध पर आधारित था। बिना डाँटे केवल गंभीरता से देखना बच्चों के भीतर एक स्वस्थ नैतिक ग्लानि पैदा करता था कि "हमसे हमारे स्नेही माता-पिता दुखी हैं"। यह तरीका बच्चों के आत्मसम्मान को ठेस पहुँचाए बिना उन्हें स्वतः अपनी गलती सुधारने की प्रेरणा देता है। आज के अत्यधिक तनावपूर्ण माहौल में बच्चों के साथ चिल्लाने के बजाय ऐसा मूक, धीर और स्नेही संतुलन बनाना बच्चों के मानसिक विकास के लिए अत्यंत प्रासंगिक और अनिवार्य है।

egyanarchive